

[Dr. P. C. Mitra.]

हुई। ये लोग कांग्रेस के खिलाफ काम करने के लिए अंग्रेजों के साथ गये थे जब कांग्रेस ने न जाने का एलान किया था और इस तरह से वे लोग लालच में आये। इस तरह से उन लोगों ने कांग्रेस के खिलाफ पाप किया। जब यह लोग वापस आये तो इन लोगों को मृत्यु का दंड तो नहीं दिया गया बल्कि उनको हर तरह की सहायता दी गई। अगर ब्रिटिश गवर्नमेंट होती तो उन लोगों को फांसी की सजा मिलती। मगर इस समय तो कांग्रेस गवर्नमेंट है उसने इस तरह की कोई कार्यवाही नहीं की बल्कि और भी उनको हर तरह की मदद पहुँचाई। तो इन लोगों ने पहिले लोभ किया फिर उसके बाद पाप किया जिसका वह आज फल भुगत रहे हैं।

इन लोगों में से एक तिहाई पाकिस्तान चले गये और दो तिहाई यहां पर मौजूद हैं। जो लोग पाकिस्तान में चले गये उनका भी वहां पर पाकिस्तान सरकार ने विश्वास नहीं किया और जिन लोगों का विश्वास किया वह ले लिये गये। बाकी कितने रहे या नहीं रहे यह मालूम नहीं है कि सब वहां पर ले लिये गये या नहीं ले लिये गये। इस तरह से जो लोग रह गये वह अपना पाप भोग रहे हैं जो उन्होंने किया था।

[ For English translation, see Appendix III, Annexure No. 69. ]

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Yes, the Deputy Minister for Defence.

THE DEPUTY MINISTER FOR DEFENCE (SARDAR S. S. MAJITHIA) : Sir, after what the hon. Prime Minister has said, I do not think there is any thing further left for me to answer.

SHRI ONKAR NATH(Delhi):

श्री ओंकार नाथ (दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूँ कि प्रधान मंत्री जी के जवाब के बाद इस प्रस्ताव के बारे में मुझे कुछ कहने की जरूरत बाकी नहीं रह जाती है। मगर हमारे प्रस्तावक महोदय और दूसरे साथी ने यहां पर कुछ ऐसी बातें कहीं हैं जिससे सदन में गलतफहमी हो सकती है, उसी को दूर करने के लिये मैं आपके सामने कुछ अर्ज करना चाहता हूँ।

मुझे इस हाउस (House) के अन्दर यह देखकर दुःख होता है कि हमारी यह राज्य-परिषद्, जो कि हमारे देश की सब से ऊँची परिषद् है, वहां पर इस तरह की बातें कही जा सकती हैं। यहां पर तो संजीदगी के साथ हर बात को कहा जाना फ़व्वता है। यहां पर इस तरह से सेन्टीमेंट (sentiment) में बह जाने की आशा नहीं की जा सकती थी। लोक सभा में इस तरह के सेन्टीमेंट तो हो सकते थे मगर देश की सब से बड़ी राज्य-परिषद् में इस तरह के सेन्टीमेंट में बह जाना शोभा नहीं देता है। यह राज्य-परिषद् तो लोक सभा द्वारा पास किये गये निर्णयों को अच्छी तरह से रिवाइज (revise) करती है और जो उचित राय होती है वह देती है। मगर जिस तरह से यहां पर हमारे रेडेडी साहब ने फरमाया है वह मेरी समझ में इस राज्य-परिषद् के लिये शोभा नहीं देती है। हमारे प्रधान मंत्री जी ने इस बारे में साफ साफ बातें पूरी तरह से बतला दी हैं। मैं समझता हूँ कि उन्होंने कोई ऐसी बात नहीं छोड़ी जिसके बारे में अब यहां पर कुछ कहा जा सकता है। हमारे रेडेडी साहब ने कहा कि हमारा देश आजाद हो गया है और एक डेमोक्रेटिक गवर्नमेंट (Democratic Government) ( के होते हुए पैट्रोट्स patriots ) को सपरस